वर्णाश्रमव्यवस्था

भूमिका

वर्णाश्रम (वर्ण एवं आश्रम) व्यवस्था भारतीय सामाजिक जीवनकी आधारशिला थी । आश्रमव्यवस्थाद्वारा व्यक्तिगत जीवन उन्नत करना तथा वर्णव्यवस्थाद्वारा सामाजिक एकता एवं उन्नति साध्य करना, इस लक्ष्यकी कल्पना वर्णाश्रमव्यवस्थामें होती है । इस व्यवस्थाके कारण ही भारतीय सामाजिक जीवन सहस्रों वर्ष स्थिर रह पाया । ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य एवं शूद्र वर्णोंकी निर्मिति, इतिहास विशेषताएं, चार वर्णोंकी तुलना, वर्ण निश्चित करना, पन्थ, सम्प्रदाय, जाति, जाति नष्ट करनेके उपाय इत्यादिसे सम्बन्धित जानकारी इस ग्रन्थमें दी गई है ।

जीवनके विविध कालखण्डोंमें जीवनक्रम कैसा हो, साधना कौनसी हो, इसका मार्गदर्शन 'आश्रम' नामक धर्मव्यवस्थामें किया गया है । कालखण्ड चार हैं – ब्रह्मचर्याश्रम, गृहस्थाश्रम, वानप्रस्थाश्रम एवं संन्यासाश्रम । आश्रमोंका महत्त्व, चारों आश्रमवासियोंके कर्तव्य एवं साधना, उपजीविका, महत्त्व इत्यादि से सम्बन्धित जानकारी भी इस ग्रन्थमें अन्तर्भूत है ।

वर्णाश्रमोंकी कक्षाएं लांघकर साधक अथवा शिष्य बनें, तो आध्यात्मिक उन्नति शीघ्र होती है । – **संकलनकर्ता**

('अध्यात्मशास्त्र' ग्रन्थके सर्व खण्डोंकी संयुक्त भूमिका 'धर्मका मूलभूत विवेचन' ग्रन्थमें दी है ।)

सनातनकी चैतन्यमय ग्रंथसंपदाकी प्रमुख विशेषताएं !

* वैज्ञानिक युगके पाठकोंको समझमें आनेवाली आधुनिक वैज्ञानिक भाषामें (उदा. प्रतिशत) ज्ञान !
* सैद्धान्तिक विवेचन ही नहीं; अपितु प्रत्यक्ष आचरण सम्बन्धी मार्गदर्शन !
* पृथ्वीपर अन्यत्र कहीं भी अनुपलब्ध ऐसा अमूल्य ईश्वरीय ज्ञान अंतर्भूत !

चातुर्वर्ण्य

अनुक्रमणिका

१. व्याख्या	२. प्राणी एवं चातुर्वर्ण्य	११
३. समाज एवं चातुर्वर्ण्य	४. हेतु (तत्त्व) एवं महत्त्व	११
५. विशेषताएं	६. चातुर्वर्ण्यकी निर्मिति	१५
७. इतिहास	८. वर्णोंकी विशेषताएं	२५
९. चार वर्णोंकी तुलना		६१
१०. वर्ण निश्चित करना		६६
११. वर्णपरिवर्तन		६७
१२. वर्णबाह्य		६८
१३. पन्थ		७०
१४. सम्प्रदाय		७४
१५. जातियां		७५
१६. विभिन्न पन्थ, सम्प्रदाय एवं धर्मकी तुलना		७७

सनातनके ग्रंथ-निर्मितिके कार्यमें सम्मिलित होकर समष्टि साधना करें !

१. मराठी भाषाके ग्रन्थोंका संकलन करना,

२. मराठी, हिन्दी एवं अंग्रेजी ग्रंथोंका विविध भाषाओंमें भाषांतर करना एवं

३. ग्रंथोंकी संरचना 'इनडिजाइन' संगणकीय प्रणालीमें करना,

इन कार्योंमें सम्मिलित होने हेतु संपर्क करें - (०८३२) २३१२३३४ अथवा granthgoa@gmail.com